Development of Historical Places as Tourist Spots in Assam

6360. SHRI NIHAR LASKAR : Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether Union Government have not so far developed the State of Assam from tourism point of view ;

(b) whether there are many historical places in the State which could be developed as tourist spots ; and

(c) if so, the steps being taken in this regard ?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK) ; (a) to (c). Although there are quite a few places of historical interest and natural beauty in Assam, the restrictions placed on the movement of tourists within the North East region including Assam has prevented a large scale development for tourist facilities in this region. Within this limitation, a forest lodge has been constructed in the Kaziranga wild Life sanctuary, and a tourist bungalow is under construction at Gauhati in the Central Sector.

जिला सहरसा (बिहार) में पटसन मिल की स्थापना

6361. **श्री विनायक प्रसाद यादव** : क्या वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार के सहरसा जिले में पटसन की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है ;

(ख) क्या इस जिले में न तो कोई पटसन मिल ही है और न करघा ; और

(ग) यदि हां, तो क्या इस पिछड़े जिले में पटसन मिल स्थापित करने के लिये सरकार का विचार कार्यवाही आरम्भ करने का है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री (श्री मोहन धारिया) : (क) जी हां।

(ख) और (ग). बिहार के सहरसा जिले में कोई पटसन मिल नहीं है। तथापि, बिहार राज्य में तीन पटसन मिलें हैं। इसके अलावा, बिहार राज्य सरकार की सिफारिशों के आधार पर राज्य के पिछड़े क्षेत्रों में दो पटसन मिलें स्थापित करने के लिए आशय पत्र जारी किये गए हैं। सहरसा जिले में किसी भी पटसन मिल के स्थापित करने की कोई प्रस्थापना नहीं है ?

जूट सामान उत्पादों का निर्यात

6362. **श्री युवराज** : क्या वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जनवरी, 1976 में जूट सामान उत्पादों का निर्यात सन्तोषजनक नहीं था ;

(ख) क्या जूट के सामान के निर्यात में मात्रा के सम्बन्ध में 14.6 प्रतिशत की कमी और मूल्य में 22.9 प्रतिशत की कमी हुई; और

(ग) यदि हां, तो उसके निर्यात में हुई कमी को पूरा करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री (श्री मोहन धारिया) :

(क) जी हां ।

(ख) 1975–76 के वित्तीय वर्ष में हुए पटसन माल के निर्यातों के मुकाबले में 1976-77 के वित्तीय वर्ष में पटसन माल के निर्यात में मात्रा की दृष्टि से 14.4 प्रतिशत तथा मूल्य की दृष्टि से 21.9 प्रतिशत कमी आई है ।

(ग) इस उद्देश्य के लिए उठाये गये महत्वपूर्ण कदम निम्नलिखित हैं :—

(1) सभी पटसन उत्पादों पर से निर्यात शुल्क समाप्त कर दिया गया है ।